ठाकुर का कुआँ   प्रश्नोत्तर & वर्कशीट – PART - 1

(जोखू ने लोटा मुँह से लगाया तो ---------------------------- उसने वह बदबूदार पानी पीने को न दिया ।)

1. नए शब्द –

* ठाकुर - ജന്മി, ധനികൻ
* कुआँ – കിണർ
* जातिप्रथा – ജാതിവ്യവസ്ഥ
* छुआछूत - അയിത്തം
* अछूत - തൊട്ടുകൂടാത്തവർ
* पेयजल - കുടിവെള്ളം
* वंचित - നിഷേധിക്കപ്പെട്ട
* विवशता - ബുദ്ധിമുട്ട്
* अधिकार – हक अവകാശം
* लोटा - മൊന്ത
* मुँह से लगाना - ചുണ്ടോടടുപ്പിക്കുക
* सख्त – തീഷ്ണമായ
* बदबू, बास, बू – दुर्गंध നാററം
* मारे बास के – बास के कारण നാററം കാരണം
* गला सूखना – തൊണ്ട വരളുക
* सडा – അഴുകിയ
* प्रतिदिन – എല്ലാദിവസവും
* मुश्किल - പ്രയാസം
* बिलकुल - തികച്ചും
* नाक - മൂക്ക്
* सचमुच - സത്യത്തിൽ
* कुएँ पर चढने देना – कुएँ से पानी भरने देना കിണററിൽ നിന്ന് വെള്ളം കോരാൻ അനുവദിക്കുക
* डाँट बताना - വഴക്ക് പറയുക
* चढना – കയറുക
* साहू - ധനികനായ വ്യാപാരി, പലിശക്കാരൻ
* सिरा – അഗ്രം
* बीमार – मरीज़ രോഗി
* मारे प्यास के – प्यास के कारण ദാഹം കാരണം
* रहा नहीं जाना – സഹിക്കാൻ കഴിയാതെ വരുക
* खराब पानी - അഴുക്കുവെള്ളം
* बीमारी – രോഗം
* खराबी - കുഴപ്പം, പോരായ്മ
* बढ जाना - വർദ്ധിക്കുക
* उबालना - തിളപ്പിക്കുക
* हाथ–पाँव तुडवाना – കൈയ്യുംകാലും തല്ലിയൊടിപ്പിക്കുക
* चुपके से बैठना - മിണ്ടാതിരിക്കുക, വെറുതേ ഇരിക്കുക
* आशीर्वाद देना - അനുഗ്രഹിക്കുക
* लाठी मारना - വടികൊണ്ട് അടിക്കുക
* एक के पाँच लेना – അമിതമായ പലിശചുമത്തുക
* गरीब - ദരിദ്രനായ, പാവപ്പെട്ട
* दर्द - पीडा വേദന
* दुआर पर झाँकना – വാതിൽക്കൽ എത്തിനോക്കുക
* दुआर - दरवाज़ा വാതിൽ
* कंधा देना– സഹായിക്കുക
* कडवा - കയ്പേറിയ
* जवाब – उत्तर മറുപടി
* बदबूदार - നാററമുള്ള

2. विशेषण शब्द लिखें ।

1. सख्त बदबू - सख्त   2. सडा पानी - सडा   3. दूसरा पानी - दूसरा   4. तीसरा कुआँ - तीसरा
5. थोडा पानी - थोडा   6. खराब पानी - खराब   7. कई दिन – कई   8. बडी बात – बडी
9. कडवा सत्य - कडवा   10. बदबूदार पानी - बदबूदार

3. मुहावरे का मतलब क्या है ?

1. कंधा देना– सहायता करना/सहारा देना
2. पानी की खराबी जाती रहती है – पानी शुद्ध हो जाती है
3. हाथ–पाँव तुडवाना– बुरी तरह पीटना
4. रहा नहीं जाना – सह न पाना
5. एक के पाँच लेना – ज़्यादा सूद माँगना
6. कुएँ पर चढने देना – कुएँ से पानी भरने देना
7. डाँट बताना – बुरा कहना/ दोष निकालना
8. बढ जाना – अधिक हो जाना

4. किसने किससे कहा ?

1. " गला सूखा जा रहा है और तू सडा पानी पिलाए देती है !" — जोखू ने गंगी से
2. " अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता । ला, थोडा पानी नाक बंद करके पी लूँ ।" — जोखू ने गंगी से
3. " यह पानी कैसे पिओगे ? कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ ।" — गंगी ने जोखू से
4. " पानी कहाँ से लाएगी ?" — जोखू ने गंगी से
5. " हाथ-पाँव तुडवा आएगी और कुछ न होगा । बैठ चुपके से । गरीबों का दर्द कौन समझता है !" — जोखू ने गंगी से
6. " ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं । क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे ?" — गंगी ने जोखू से

SREENATH R KOVOOR VARKALA, SORIUS 9567224545

5. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी ले नहीं सकती थी । क्यों ?
   गंगी निम्नजाति की मानी जाती है । / छुआछूत की प्रथा है ।
2.' यह पानी कैसे पिओगे ? '- गंगी ने ऐसा क्यों पूछा ?
   क्योंकि पानी में बदबू थी
3. दूर से लोग डाँट बताएँगे । क्यों ?
   वे निम्न जाति के हैं ।
4. पानी में सख्त बदबू कैसे आयी ?
   कुएँ में कोई जानवर गिरकर मरने से
5. खराब पानी पीने से बीमारी बढ जाएगी ।– पानी के खराब होने के क्या–क्या कारण हो सकते हैं ?
   कुएँ के पानी में कोई जानवर गिरकर मर जाने से
6.' ठाकुर के कुएँ पर कौन चढने देगा ? ' गंगी क्यों इस प्रकार सोचती है ?
   गंगी चमार जाति की है । वर्ण व्यवस्था के अनुसार वह अछूत थी । उनकी छाया तक ऊँच जाति अपवित्र मानी जाती थी । इसलिए गंगी ठाकुर के कुएँ के पास नहीं जा सकती ।
7.' गंगी ने जोखू को गंदा पानी पीने को न दिया ।'– क्यों ?
   क्योंकि वह जानती थी खराब पानी से पति की बीमारी बढ जाएगी ।
8. गंगी नहीं जानती थीकि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है । - यहाँ किस सामाजिक वास्तविकता प्रकट होती है ?
   यहाँ गंगी की अशिक्षित हालत का संकेत है । निम्नजाति के लोग शिक्षा से वंचित रह जाते हैं । इसलिए उनमें अनजानी, अंधविश्वास आदि भी देखे जाते हैं । जाति के नाम पर किसीसे शिक्षा मिलने का अपना अधिकार छीनना उचित नहीं है ।
9.' मगर दूसरा पानी आवे कहाँ से ? '- यहाँ जोखू की किस की ओर संकेत है ?
   जोखू निम्नजाति में जन्मा था । उस समय जातिप्रथा ज़ोरों में था । निम्नजाति के लोगों को उच्च जाति के लोगों के कुएँ से पानी लेने का अधिकार नहीं था । पीने का पानी तक उन्हें निषेध था ।
10.' पानी कहाँ से लाएगी ? '- जोखू के इस कथन पर अपना विचार लिखें ।
   गंगी पानी लाते कुएँ में कोई जानवर गिरकर मरा है । निम्नजाति के होने से उन्हें ठाकुर और साहू के कुएँ से पानी लाने की अनुमति नहीं थी । यदि ऐसा किया तो उच्चजाति के लोग उसे जान से मार डालेगा । कोई तीसरा कुआँ गाँव में नहीं था । इसलिए शुद्ध पानी लाने की कठिनाई की ओर यहाँ संकेत है ।
11.' क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे '- गंगी के इस कथन पर अपना विचार लिखें ।
   अछूत होने के कारण गंगी को कुएँ से साफ पानी भरने का भी हक नहीं है । सभी अधिकार समाज में उच्च माननेवालों के पास है । गंगी को समझ में नहीं आती कि लोग कैसे श्रेष्ठ बनते हैं । यहाँ समाज की असमानता के विरुद्ध गंगी का आक्रोश ही प्रकट होता है ।
12. हाथ-पाँव तुडवा आएगी और कुछ न होगा । - जोखू के इस कथन पर आपका विचार क्या है ?
   यह वाक्य गंगी से जोखू का कथन है । इस कथन के ज़रिए जोखू एक सामाजिक सत्य को हमारे सामने प्रस्तुत करता है । इसमें छुआछूत के भावना के विरुद्ध जोखू का आक्रोश हम सुन सकते हैं । निम्न जाति के लोगों को उच्च माननेवालों के कुएँ से पानी भरने की अनुमति नहीं थी । ये लोग उच्च वर्ग के लोगों की क्रूरता सहकर जीने को विवश थे ।
13. यहाँ किस कडुवे सत्य के बारे में चर्चा हुई है ?
   प्रस्तुत वाक्य में चर्चित कडुवा सत्य जाति प्रथा है । पानी, खाना, कपडा और घर मानव की बुनियादी ज़रूरतें हैं । इन्हें मिलने का अधिकार सबका है । जाति के नाम पर ऐसा भेदभाव रखना उचित नहीं है ।

14. पटकथा (शुरुआत भाग)

स्थान – एक झोंपडी का भीतरी भाग।
समय – दोपहर के दो बजे ।
पात्र – गंगी और जोखू । (गंगी 40 औरत, धोती और चोली पहनी है । जोखू 50 का आदमी, धोती और बनियन पहना है ।)
दृश्य का विवरण – प्यास से परेशान होकर जोखू कमरे की पलंग पर बैठा है । उसको गंगी पीने केलिए लोटे में पानी देती है ।

संवाद –

जोखू – बहुत प्यास लग रही है । थोडा पानी लाओ ।
गंगी – अभी लाती हूँ ।
जोखू – यह कैसा पानी है ? तू यह पानी कहाँ से लायी ?
गंगी – गाँव के कुएँ से । कल ही लायी हूँ । क्या हुआ ?
जोखू – मारे प्यास के पिया नहीं जाता । गला सूखा जा रहा है और तू सडा पानी पिलाए देती है !
गंगी – (लोटा नाक से लगाते हुए) हाँ बदबू है । मगर कैसे ? कल लाते समय बदबू नहीं थी । कोई जानवर कुएँ में गिरकर मरा होगा ।
जोखू – प्यास सह नहीं पाता । ला, थोडा पानी, नाक बंद करके पी लूँ ।
गंगी – मैं नहीं दूँगी, खराब पानी से आपकी बीमारी बढ जाएगी । मैं कहीं से दूसरा पानी लाकर देती हूँ । आप लेट जाइए ।
जोखू – दूसरा पानी ! कहाँ से लाएगी ?
गंगी – ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं, क्या एक लोटा पानी न भरने न देंगे ?

जोखू – हाथ–पाँव तुडवा आएगी। बैठ चुपके से।
गंगी – आप चिंता मत कीजिए। मुझे पता है क्या करना है।
जोखू – ठीक है। तुम्हारी मर्ज़ी। जल्दी वापस आना।
(मन में साहस भरकर गंगी रस्सी और घडा लेकर ठाकुर के कुएँ की ओर निकल जाती है।)

15. समाचार तैयार करें।

कुएँ में मरा जानवर ; पीने के पानी केलिए तरसते लोग

स्थान : ..... यहाँ के निम्न वर्ग के लोग के कुएँ में पिछले दिन एक मरे जानवर को दिखाई दिया। पानी गंदा होने से उससे बदबू आ रही है। निम्न वर्ग के लोगों के पानी लेने का एकमात्र आश्रय यह कुआँ था। पेयजल के अभाव से यहाँ लोग बहुत मुसीबत में हैं। पिछले दिनों से इस कुएँ के पानी का उपयोग करते लोग आशंका में है। ऊँचे वर्ग के लोगों के कुएँ तक जाने की अनुमति न होने के कारण गरीब लोग चिंतित है।

16. पोस्टर- ठाकुर का कुआँ कहानी का नाटकीकरण

जी.एच.एस.एस. कोल्लम
मशहूर कथाकार **प्रेमचंद** की
कहानी का नाटकीकरण
ठाकुर का कुआँ
आयोजन – हिंदी मंच

2019 जून 19 बुधवार को
सुबह 10 बजे स्कूल सभाभवन में

रचना - नवीन, दसवीं कक्षा
निदेशन – श्री. वरुण, हिंदी अध्यापक
प्रस्तुति – छात्र-छात्राएँ, दसवीं कक्षा
आइए... देखिए... मज़ा लूटिए...
सबका स्वागत

संयोजक प्रधानाध्यापिका

6. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें।

1. ब्राह्मण देवता - लाठी मारेंगे।
   ठाकुर - प्यास से मर जाएँगे।
   साहूजी - आशीर्वाद देंगे।
   गरीब लोग - एक के पाँच लेंगे।
2. खराब पानी से – खराबी जाती रहती है।
   जोखू कुछ देर तक – गंदा पानी पीने को कहा।
   पानी को उबाल देने से – प्यास रोके चुप पडा रहा।
   गंगी ने जोखू को – बीमारी बढ जाएगी।
3. कंधा देना – बुरी तरह पीटना
   हाथ-पाँव तुडवाना – सहायता करना
   रहा नहीं जाना – ज़्यादा सूद माँगना
   एक के पाँच लेना – सह न पाना
4. गंगी प्रतिदिन शाम - शेर के मुँह से भी भयानक है।
   खराब पानी से - उसकी खराबी जाती रहती है।
   गंदा पानी को उबालने से - बीमारी बढ जाएगी।
   ठाकुर का दरवाज़ा - पानी भर लेती है।
5. जोखू ने लोटा मुँह से लगाया – गंगी के हाथ से रस्सी छूट गई।
   ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया – पानी में सख्त बदबू आई।
   गंगी ने क्षणिक सुख की साँस ली – जोखू मैला-गंदा पानी पी रहा है।
   घर पहुँचकर गंगी ने देखा – कुएँ के पास कोई नहीं था।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145 M 9567224545

व्याकरण अंश

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. जोखू पानी भर लेता है । जोखू पानी भर लिया करता है ।
   गंगी पानी भर लेती है । गंगी पानी भर ---------- ।

2. गंगी चुपके से बैठी । गंगी को चुपके से बैठना पडा ।
   जोखू ज़मीन पर लेटा । ----------।

3. तुम पानी केलिए आती हो । तुम पानी केलिए आया करती हो ।
   मैं पानी केलिए जाती हूँ । मैं पानी केलिए ----------।

4. कौन डाँट देगा । किससे डाँट दिया जाएगा ।
   कोई डाँट बताएगी । ---------- ।

5. बीमारी बढती है । बीमारी बढ जाएगी ।
   खराबी दूर होती है । खराबी दूर ----------।

6. जोखू पानी लाएगा । जोखू पानी लाया करेगा ।
   गंगी पानी लाएगी । गंगी पानी ----------।

7. वह गंदा पानी पीता है । उसको गंदा पानी पीना पडता है ।
   वे ठंडा पानी पीते हैं । ----------।

8. मैं नाक बंद करके पी लूँ । आप नाक बंद करके ----------।
9. तुम यह पानी कैसे पिओगे ? आप यह पानी कैसे ----------?
10. लोग कुएँ से पानी भरने देंगे । आदमी कुएँ से पानी ----------।
11. तुम ताज़ा पानी भर लाओ । तू ताज़ा पानी भर ---------।
12. मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ । हम दूसरा पानी लाए ---------।
13. तू पानी कहाँ से लाएगी ? तुम पानी कहाँ से ----------?
14. तू सडा पानी पिलाए देती है । तुम सडा पानी ----------।
15. लोग डाँट बताएँगे । जोखू डाँट ----------।

2. कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. जोखू की बीमारी ----------। (बढ जाएगा, बढ जाएगी, बढ जाएँगे, बढ जाएँगी)
2. लोटे के पानी से बदबू ----------। (आ रहा है, आ रही है, आ रहे हैं, आ रही हैं)
3. ठाकुर लाठी ----------। (मारता है, मारते हैं, मारती हैं, मारती है)
4. गरीबों का दर्द कौन ----------। (समझेगा, समझेंगे, समझेगी, समझेंगी)
5. लोग कुएँ से पानी भरने ----------। (देता है, देते हैं, देती है, देती हैं)

3. सही विकल्प चुनकर लिखें ।

1. वह + में = उसमें वे + में = उसमें वही + में = उसमें यह + में = उसमें
2. वह + की = उसकी वे + की = उसकी वही + की = उसकी यह + की = उसकी

4. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. बीमारी बढ जाती थीं ।
   बीमारी बढ जाता था ।
   बीमारी बढ जाते थे ।
   बीमारी बढ जाती थी ।

2. वे पानी भरने नहीं देता है ।
   वे पानी भरने नहीं देती है ।
   वे पानी भरने नहीं देते हैं ।
   वे पानी भरने नहीं देता हैं ।

3. गंगी पानी लिया करेगा ।
   गंगी पानी लिया करेगी ।
   गंगी पानी ली करेगी ।
   गंगी पानी ली करेगा ।

4. पानी की खराबी मिट जाएगा ।
   पानी की खराबी मिट जाएँगे ।
   पानी की खराबी मिट जाएँगी ।
   पानी की खराबी मिट जाएगी ।

SREEJITH K, KOVOOR VARKALA, SCR145 M 9567224545

5. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. खराबी दूर होती है । (उबालने से, गंदे)
   पानी की खराबी दूर होती है ।
   ----------।
   ----------।

2. उस सिरे पर है । (गाँव के, साहू का)
   कुआँ उस सिरे पर है ।
   ----------।
   ----------।

3. पानी भर लिया करती थी । (सबेरे, गंगी)
   प्रतिदिन पानी भर लिया करती थी ।
   ----------।
   ----------।

4. बीमारी बढ जाएगी । (खराब, पीने)
   पानी से बीमारी बढ जाएगी ।
   ----------।
   ----------।

6. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. गरीबों का <u>दर्द</u> कौन समझता है ? (पीडा)
2. <u>तू</u> पानी कहाँ से लाएगी ? (तुम)
3. <u>तू</u> सडा पानी पिलाए देती है ? (तुम)
4. <u>मैं</u> दूसरा पानी लाए देती हूँ । (हम)
5. <u>गंगी</u> पानी लाएगी । (जोखू)
6. गंगी ने <u>पानी</u> न दिया । (रोटी)
7. <u>बीमारी</u> जाती रहती है । (रोग)
8. <u>बदबू</u> निकली जाती थी । (बास)
9. <u>मैं</u> नाक बंद करके पी लूँ । (आप)
10. <u>तुम</u> यह पानी कैसे पिओगे । (आप)

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145 M 9567224545